



22 May, 2024

भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को मान्यता

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध संगठन ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूट्स (GANHRI) ने भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) की मान्यता को लगातार दूसरे वर्ष भी स्थगित कर दिया है।

➤ NHRC मान्यता का स्थगन:

- **मान्यता स्थगण का प्रभाव:** जिनेवा स्थित ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूट्स से मान्यता के बिना, एनएचआरसी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है या संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में मतदान नहीं कर सकता है।
- **आशंकाएं:** इस स्थगन से एनएचआरसी की स्वतंत्रता, क्षमता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।
- **मान्यता देने वाली एजेंसी:** गैनहरी

➤ GANHRI की भूमिका:

- लगभग 120 राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाला GANHRI, पेरिस सिद्धांतों के अनुपालन में हर पांच साल में इन संस्थानों की समीक्षा करता है और उन्हें मान्यता देता है।
- **प्रत्यायन पर उपसमिति (एससीए):** GANHRI, SCA के माध्यम से कार्य करती है, NHRI को 'ए' और 'बी' समूहों में वर्गीकृत करती है।
- **वर्तमान मान्यताएं:** 29 नवंबर, 2023 तक, 120 NHRI को GANHRI द्वारा मान्यता दी गई थी, इसमें से 88 को 'ए' स्थिति (पूर्ण अनुपालन) और 32 को 'बी' स्थिति (आंशिक अनुपालन) का दर्जा दिया गया।

➤ पेरिस सिद्धांत

- **अंगीकरण:** पेरिस सिद्धांतों को 20 दिसंबर, 1993 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।
- **मानदंड:** इन सिद्धांतों ने NHRI के प्रभावी कामकाज के लिए छह मानदंड निर्धारित किए हैं:
 - सार्वभौमिक मानवाधिकार मानदंडों पर आधारित व्यापक अधिदेश।
 - सरकार से स्वायत्तता।
 - कानून या संविधान द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता।
 - सदस्यता में बहुलवाद।
 - पर्याप्त संसाधन।
 - जांच की पर्याप्त शक्तियां।
- **कार्यक्षमता:** एनएचआरआई को व्यक्तियों, तीसरे पक्षों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रेड यूनियनों या अन्य प्रतिनिधि संगठनों से शिकायतें प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए।

➤ मान्यता खोने के परिणाम:

- **'ए' स्थिति:** संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद, उसके सहायक निकायों और कुछ यूएनजीए निकायों में पूर्ण भागीदारी की अनुमति देता है। मतदान के अधिकार के साथ गैनहरी की पूर्ण सदस्यता भी प्रदान करता है।
- **'बी' स्थिति:** मतदान या शासन अधिकारों के बिना GANHRI बैठकों में भाग लेने की अनुमति देता है।
- **वर्तमान स्थिति:** मान्यता के बिना, NHRC संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता या वोट नहीं दे सकता।

➤ भारत का मान्यता सम्बन्धी इतिहास:

- **प्रारंभिक मान्यता:** NHRC को पहली बार 1999 में मान्यता दी गई थी।
- **'ए' रैंक:** 2006 में 'ए' दर्जा हासिल किया और 2011 में इसे बरकरार रखा।

- **2016 स्थगन:** राजनीतिक नियुक्तियों तथा लैंगिक संतुलन और बहुलवाद की कमी के कारण मान्यता स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अंततः 2017 में इसे 'ए' दर्जा दिया गया।
- **हालिया स्थगन:** एनएचआरसी में सरकारी हस्तक्षेप और सत्तारूढ़ पार्टी के सहयोगियों के प्रभुत्व सहित कारणों से पिछले वर्ष मान्यता रोक दी गई थी।

एयरलाइंस उड़ानों में अशांति

संदर्भ: 20 मई को लंदन से सिंगापुर जाने वाली सिंगापुर एयरलाइंस की उड़ान SQ321 में गंभीर गड़बड़ी के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

- **परिभाषा:** अशांति एक हवाई जहाज के पंखों पर वायु प्रवाह का व्यवधान है, जिससे अनियमित ऊर्ध्वाधर गति होती है।

➤ अशांति के प्रकार:

- **विंड शीयर:** हवा की दिशा या गति में अचानक परिवर्तन, आमतौर पर तूफान या जेट स्ट्रीम के पास।
- **अग्र-भाग:** अग्र-भाग क्षेत्र में गर्म हवा के उत्थान और वायुराशियों के बीच घर्षण के साथ होता है।
- **संवहन:** जमीन से गर्म हवा के झोंके उठने के कारण, एयरलाइंस के नीचे उतरने की दर को प्रभावित करता है।
- **वेक:** विमान के पीछे की आकृतियाँ, विशेष रूप से बड़े विमानों के पीछे, भंवर पैदा करती हैं जो छोटे विमानों को प्रभावित कर सकती हैं।
- **यांत्रिक:** यह तब होता है जब पहाड़ों या इमारतों जैसी ऊंची संरचनाओं से वायु प्रवाह बाधित होता है।
- **साफ़ हवा:** यह तब होता है जब विभिन्न वायुराशियों के बीच, एयरलाइंस की उड़ान अक्सर जेट धाराओं के पास से गुजरती है।
- **पर्वतीय लहरें:** तेज लंबवत हवाओं के कारण पहाड़ों के निचले हिस्से में गंभीर कंपन।



➤ सुरक्षा उपाय:

- सीट बेल्ट हमेशा बांध कर रखना।
- फ्लाइट अटेंडेंट के निर्देशों का पालन करना।

Face to Face Centres





22 May, 2024

- सुरक्षा ब्रीफिंग पर ध्यान देना।
- दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुमोदित बाल सुरक्षा सीटों का उपयोग करना।
- कैरी-ऑन प्रतिबंधों का पालन करना।

➤ FAA की सिफारिशें:

- पूर्णकालिक संचार के साथ प्रेषण प्रक्रियाओं में सुधार करना चाहिए।
- मौसम ब्रीफिंग में इस प्रकार अशांति/व्यवधान को शामिल करना चाहिए।
- पायलटों और डिस्पैचरों के बीच वास्तविक समय की जानकारी साझा करने को बढ़ावा देना चाहिए।
- प्रशिक्षण के माध्यम से अशांति निवारण नीतियों को सुदृढ़ करना चाहिए।
- वायुमंडलीय मॉडलिंग और डेटा डिस्प्ले के साथ पुनः रूटिंग पर विचार करना चाहिए।
- चोटों को रोकने के लिए संचालन प्रक्रियाओं और प्रशिक्षण का उपयोग करना चाहिए।
- फ्लाइट अटेंडेंट सुरक्षा, संचार और समन्वय पर जोर देना चाहिए।
- आंकड़ों को एकत्र कर एयरलाइंस उड़ानों में अशांति, मुठभेड़ों और अन्य घटनाओं की समीक्षा की जानी चाहिए।

46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक (ATCM)

संदर्भ: अंटार्कटिका विस्तार के संबंध में बढ़ती आशंकाओं को दूर करने के लिए, अंटार्कटिका में तैयार पर्यटन ढांचे को विकसित करने हेतु एक नव स्थापित टास्क फोर्स बुलाई गई है।

- **आयोजक:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR), गोवा और अंटार्कटिक संधि सचिवालय।
- **प्रतिभागी:** लगभग 40 देशों से 350 से अधिक प्रतिभागी।

➤ बैठक का महत्व:

- **उद्देश्य:** अंटार्कटिक संधि के तहत उच्च स्तरीय वैश्विक वार्षिक बैठकें आयोजित करना।
- **फोकस क्षेत्र:** विज्ञान, नीति, शासन, प्रबंधन, संरक्षण और अंटार्कटिका की सुरक्षा।
- **सीईपी भूमिका:** यह वर्ष 1991 में मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत स्थापित, अंटार्कटिका में पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण पर ATCM को सलाह देता है।

➤ अंटार्कटिक संधि:

- अंटार्कटिक संधि पर 1959 में हस्ताक्षर किए गए और 1961 में इसे लागू किया गया।
- इसने अंटार्कटिका को शांतिपूर्ण उद्देश्यों, वैज्ञानिक सहयोग और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित क्षेत्र के रूप में स्थापित किया।
- पिछले कुछ वर्षों में, संधि को व्यापक समर्थन मिला है, वर्तमान में 56 देश इसमें शामिल हैं।

➤ अंटार्कटिक संधि के प्रावधान

- अंटार्कटिका का उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।
- अंटार्कटिका में वैज्ञानिक जांच की स्वतंत्रता और उस दिशा में सहयोग जारी रहेगा।
- अंटार्कटिका से वैज्ञानिक टिप्पणियों और परिणामों का आदान-प्रदान किया जाएगा और उन्हें स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

➤ भारत की भागीदारी

- भारत 1983 से अंटार्कटिक संधि का सलाहकार सदस्य रहा है।
- भारत अंटार्कटिक संधि के अन्य 28 सलाहकार सदस्यों के साथ निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेता है।
- भारत का पहला अंटार्कटिक अनुसंधान स्टेशन, दक्षिण गंगोत्री, 1983 में स्थापित किया गया था।
- भारत वर्तमान में दो वर्ष के अनुसंधान केंद्र संचालित करता है: मैत्री (1989 में स्थापित) और भारती (2012 में स्थापित)।
- स्थायी अनुसंधान स्टेशन अंटार्कटिका में भारतीय वैज्ञानिक अभियानों की सुविधा प्रदान करते हैं, जो 1981 से प्रतिवर्ष जारी हैं।
- 2022 में, भारत ने अंटार्कटिक संधि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, अंटार्कटिक अधिनियम लागू किया है।

➤ अंटार्कटिक संधि सचिवालय (ATS):

- अंटार्कटिक संधि सचिवालय (ATS) अंटार्कटिक संधि प्रणाली के लिए प्रशासनिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- 2004 में स्थापित, एटीएस एटीसीएम और सीईपी बैठकों का समन्वय करता है।
- एटीएस सूचना को पुनः प्रस्तुत और प्रसारित करता है।
- एटीएस अंटार्कटिक शासन और प्रबंधन से संबंधित राजनयिक संचार, आदान-प्रदान और बातचीत की सुविधा प्रदान करता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

रेन्जलैंड



हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट पता चला है कि विश्व के रेन्जलैंड का 50% तक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है, जो पिछले अनुमान के 20-35% की तुलना में लगभग दोगुना है।

रेन्जलैंड के बारे में:

- रेन्जलैंड उन विशाल भूमि क्षेत्रों को संदर्भित करता है जो मुख्य रूप से मवेशियों के चराई के लिए उपयोग किए जाते हैं, जहां प्राकृतिक वनस्पति जैसे घास, झाड़ियाँ और जड़ी-बूटियाँ मुख्य चारे के स्रोत के रूप में काम करती हैं।
- ये परिदृश्य आमतौर पर खुले स्थानों, न्यूनतम वृक्षावरण और गहन कृषि के लिए अनुपयुक्त होते हैं।
- ये 80 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं, जो स्थलीय सतह के 54% से अधिक का निर्माण करते हैं।

Face to Face Centres





22 May, 2024

	- ये व्यापक मवेशी उत्पादन प्रणालियों का समर्थन करते हैं, जो वैश्विक भूमि सतह के 45% को कवर करते हैं। - भारत की कुल भूमि सतह का लगभग 40% चराई के लिए उपयोग किया जाता है, जिसमें घास के मैदान (17%) और वन (23%) शामिल हैं। - पशुपालन सबसे पुराने और सबसे टिकाऊ खाद्य प्रणालियों में से एक है, जो विश्व भर में 500 मिलियन लोगों का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को अंतर्राष्ट्रीय रेन्जलैंड और पशुपालक वर्ष घोषित किया है ताकि स्वस्थ रेन्जलैंड और टिकाऊ पशुपालन की वकालत की जा सके। - मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने भारत में पशुपालकों, जानवरों और पशुपालक अर्थव्यवस्था की संख्या का अनुमान लगाने के लिए पहली जनगणना शुरू की। - वर्तमान में लगभग 20 मिलियन पशुपालक भारत के वनों और घास के मैदानों में चराई करते हैं।
कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य	हाल ही में, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड के शोधकर्ताओं ने कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य में दो शताब्दियों के बाद श्रीलंकाई सुनहरे-पीठ वाले मेंढक (<i>Hylarana gracilis</i>) की पुनः खोज की। कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य के बारे में: - कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य चित्तूर जिले, आंध्र प्रदेश में एक हाथी रिजर्व और वन्यजीव अभयारण्य है। - यह कौंडिन्य नदी के तट पर स्थित, पालमनेर-कुप्पम वन क्षेत्रों में है, और यह भारत सरकार की हाथी परियोजना का हिस्सा है, जो एक राष्ट्रीय हाथी संरक्षण परियोजना है। - काङ्गल और कौंडिन्य नदियाँ, जो पालर नदी की सहायक नदियाँ हैं, इस अभयारण्य से होकर बहती हैं। - अभयारण्य में लगभग 78 एशियाई हाथी रहते हैं। वनस्पति: यह जंगल दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ी प्रकार का है, जिसमें विविध वनस्पतियाँ शामिल हैं, जैसे अल्बिजिया अमारा, फ्रिक्स ग्लोमेरेटा और जिजिफस ज़ाइलोकार्पस आदि। जीवजंतु: अभयारण्य में कीट, सरीसृप, पक्षी और स्तनधारी रहते हैं, जिनमें चित्रित टिड्डे, सामान्य कोबरा, तीतर और भारतीय हाथी शामिल हैं। 
नीली भेड़ 	हाल ही में, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में वन्यजीव अधिकारियों ने नीली भेड़ (भरल) और हिमालयी आइबेक्स की आबादी की गणना के लिए सर्वेक्षण शुरू किया। नीली भेड़ के बारे में: - नीली भेड़, जिसे भरल (<i>Pseudois nayaur</i>) के नाम से भी जाना जाता है, हिमालय की एक बकरी-मृग है। - यह एक मध्यम आकार का स्तनपायी है जो भारत, नेपाल, भूटान, तिब्बत और पाकिस्तान के पर्वतीय क्षेत्रों में रहता है। - नीली भेड़ की लंबाई 45-65 इंच होती है, इसकी पूंछ 3.9-7.9 इंच की होती है और कंधे पर इसकी ऊंचाई 27-36 इंच होती है। - इसका शरीर ठोस, पैर मजबूत, छाती चौड़ी और कंधे मजबूत होते हैं। - यह वृक्ष रहित ढलानों, अल्पाइन घास के मैदानों, झाड़ी क्षेत्रों, सौम्य पहाड़ियों, चट्टानों के पास और ऊबड़-खाबड़ स्थानों में रहती है। - नीली भेड़ शाकाहारी है और हिम तेंदुए द्वारा शिकार होती है। हिमालयी आइबेक्स के बारे में: - हिमालयी आइबेक्स (<i>Capra sibirica hemalayanus</i>) साइबेरियाई आइबेक्स (<i>Capra sibirica</i>) की एक जंगली बकरी उप-प्रजाति है। - इसे सेंट्रल एशियन आइबेक्स, गोबी आइबेक्स, मंगोलियन आइबेक्स और तियान शान आइबेक्स के नाम से भी जाना जाता है। - हिमालयी आइबेक्स जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ट्रांस-हिमालयी पहाड़ियों में, मुख्य रूप से 3,800 मीटर और उससे अधिक की ऊँचाई पर पाया जाता है। - हिमालयी आइबेक्स एक शाकाहारी जीव है जो पर्वतीय घास और पौधों पर निर्भर करता है। - नीली भेड़ और हिमालयी आइबेक्स दोनों को आईयूसीएन रेड लिस्ट में न्यूनतम चिंता की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।





22 May, 2024

सुर्खियों में स्थल

ईरान

कल, 21 मई 2024 को, ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैय्यद इब्राहिम रायसी और विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन के निधन के बाद एक दिवसीय राजकीय शोक के रूप में देश भर में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहा, जिनकी हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई।

ईरान (राजधानी: तेहरान)

अवस्थिति : ईरान को फारस और आधिकारिक तौर पर इस्लामिक गणराज्य ईरान के नाम से भी जाना जाता है, यह पश्चिमी एशिया में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: ईरान अपनी सीमाएँ पाकिस्तान और अफगानिस्तान (पूर्व), तुर्की और इराक (पश्चिम), अज़रबैजान, आर्मेनिया, तुर्कमेनिस्तान और कैस्पियन सागर (उत्तर) और फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी (दक्षिण) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- करुण नदी ईरान की सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जो ज़ाग्रोस पर्वत से बहती है और कृषि गतिविधियों का समर्थन करती है।
- माउंट दमावंद एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जिसे स्ट्रेटोवोलकानो माना जाता है, जो अल्बोर्ज पर्वत श्रृंखला में स्थित है।
- ईरान के पास तेल और प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार है, जो उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूराजनीति को प्रभावित करता है।



POINTS TO PONDER

- हाल ही में कर्नाटक के किस शहर में रॉक कला का पहला साक्ष्य खोजा गया था? – **मंगलुरु**
- विश्व मधुमक्खी दिवस 2024 का विषय क्या है? – **मधुमक्खी युवाओं से जुड़ी हुई है**
- इब्राहिम रायसी, जिनका हाल ही में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया, किस देश के राष्ट्रपति थे? – **ईरान**
- निकहत ज़रीन, जिन्होंने हाल ही में एलोर्ड्स कप 2024 में स्वर्ण पदक जीता, किस खेल से संबंधित हैं? – **मुक्केबाज़ी**
- विलियम लाई चिंग-ते हाल ही में किस देश के नए राष्ट्रपति बने हैं? – **ताइवान**

Face to Face Centres

